

शब्दार्थ

धर्मभीरु	—
पर्दाफ़ाश	—
उजागर	—
गंतव्य	—
ढाँढ़स	—



कारण बताइए

निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या-क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे—“ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।” परिणाम—भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

1. “सचाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।”
2. “झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।”
3. “हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।”

● “आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।” क्या आप इस बात से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।